

#### असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-पण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

### प्रतिथकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ॰ 247] नई विल्ली, बृहस्पतिबार, मई 10, 1990/वैशाख 20, 1912 No. 247] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 10, 1990/VAISAKHA 20, 1912

इ.स. भाग में भिम्म पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to thus Part in order that it may be filed as a separate compilation

गह मंद्रालय

## अ**धिसूचना**

मई बिल्लो, 10 मई, 1990

का. आ. 374 (अ):---राल्ट्रपति द्वारा किए गए निम्नलिखित आवेश को सर्व-साधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है:---

### आवेश

यतः मैं, झार. वेकटरामन, भारत का राष्ट्रपति, ने 13 अनवरी, 1990 को एक म्रावेश करके दिल्ली प्रशासन झिंधनियम, 1966 (1966 का 19) (जिसे म्रव इसके बाव 1247 GI/90 (1)

भ्रधिनिथम कहा जाएगा) के कुछ उपबंधों को उक्त तिथि से चार माह की भ्रविध तक निलंबित कर दिया था:

श्रीर यत: मुझे संघ-राज्य क्षेत्र बिस्लो के प्रशासक से एक रिपोर्ट प्राप्त हुई है तथा इस रिपोर्ट पर विधार करने के बाद, में इस बात से संतुष्ट हूं कि संध-राज्य क्षेत्र दिल्ला। में ग्रमा भी ऐसी स्थित व्याप्त है जिसमें कि उपत संध-राज्य क्षेत्र का प्रशासन उपत श्रीध-तिम के उपवंशों के श्रनुसार नहीं चलाया जा सकता है, तथा यह कि उपत संघ राज्य क्षेत्र के उचित प्रशासन हेतु यह ग्रावश्यक है कि ग्राधिनियम के उपवंश, जिम्हें उपत ग्रावेश के ग्रास्ता के द्वारा निलंबित किया गया था, उपत ग्रावेश में उल्लिखिस चार माह की ग्रविध के बाद निलंबित यने रहने चाहिए;

ग्रतः ग्रब अधिनियम की धारा 31 तथा इस निमित्स मुझे समयं बनाने वाली अन्य सभी शिक्तयों का प्रयोग करते हुए में एतक्ष्वारा निवेश बेता हूं कि ग्रिधिनियम के उपबंध जिन्हें मेरे उपर्यृक्त ग्रावेश के खंब (क) के ग्राधार पर निलंबित किया गया था, 13 मई, 1990 से ग्रागे ग्रीर बार माह को ग्रविध के लिए निलंबित रहेगें तथा उक्त खंड (क) में उल्लिखित "बार माह" शब्वों के स्थान पर "ग्राठ माह" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएगें।

नई दिल्ली दिनांक 10 मई 1990

(ब्रार. वेंकटरामन) भारतका राष्ट्रपति [सं. यू. 11013/5/89-यू. टी. एल]

ग्रशोक नाथ, संयुक्त सचिव

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 10th May, 1990

S.O. 374(1).—The following order made by the President is published to general information:—

#### ORDER

Whereas I, R. Venkataraman, President of India, had on the 13th January, 1990, made an Order suspending for a period of four months from that date the operation of certain provisions of the Delhi Administration Act, 1966 (19 of 1966) (hereinster referred to as "the Act"):

And whereas, I have received a report from the Administrator of the Union territory of Delhi and after considering the report, I am satisfied that the situation in the Union territory of Delhi continues to be such that the administration of that Union territory can not be carried on in accordance with the provisions of the Act, and that for the proper administration of that Union

territory, it is necessary that the operation of the provisions of the Act suspended by me under the said Order should continue to remain suspended beyond the period of four months mentioned in the said Order;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 31 of the Act and of all other powers enabling me in that behalf, I hereby direct that the operation of the provisions of the Act suspended by virtue of clause (a) of my aforesaid Order shall continue to remain suspended for a further period of four months with effect from the 13th day of May, 1990, and that for the words "four months" occurring in the said clause (a), the words "eight months" shall be substituted.

New Delhi, the 10th May, 1990.

Sd]~

(R. VENKATARAMAN) PRESIDENT OF INDIA

[No. U-11013]5[89-UTL] ASHOK NATH, Jt. Secy.